सांध्य दैनिक

क्राईम स्टोरी

देहरादून, गुरुवार 11 जनवरी 2018 (RNI No. UTTHIN/2009/30725) वर्ष 9, अंक 137 पृष्ठ 8 1.00 रूपये

सेना की चौकसी में छेद

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड की अस्थाई राजधानी में भारतीय सैन्य अकादमी पर हमेशा आतंक का साया मंडराता रहता है और जिस तरह से देश में सैन्य क्षेत्रों में दहशतगर्द आतंक मचा रहे हैं उससे देशभर में सेना के सभी इलाकों में हाई अलर्ट रहता है लेकिन हैरानी वाली बात है कि सेना में हाई अलर्ट होने के बावजूद भी एक इन्फेंट्री से हजारों राउंड खाली खोके व भरे हुए कारतूस उड़ा लिये गये। सैन्य क्षेत्र में घुसकर हजारों राउंड गोलियां चोरी किये जाने की घटना से सेना के बडे अफसरों की नींद उड़ी हुई थी और इस मामले में पुलिस थाने में मुकदमा भी दर्ज नहीं कराया गया था और इन गोलियों को चुराने वाले गैंग को पकडने के लिए एसओजी को मैदान में उतारा गया था। एसओजी टीम ने रात-दिन एक कर पटेलनगर से एक कबाडी को जब पूछताछ के लिए हिरासत में लिया तो खुलासा हो गया कि गोलियां चुराने वाले गैंग में पुरूष नहीं बल्कि महिलायें हैं जिसके चलते एसओजी ग्रुप ने बडे नाटकीय ढंग से सैन्य क्षेत्र में घुसकर हजारों राउंड गोलियां चुराने वाली महिला गैंग की तीन सदस्यों को हजारों राउंड गोलियों सहित गिरफ्तार कर लिया और कैंट थाने में उनसे आईबी, इंटेलिजेंस, एलआईयू, सेना की खुफिया एजेंसी पूछताछ कर रही हैं।

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विगत चार जनवरी को कैंट इलाके में एक इंफेंट्री से हजारों राउंड खाली व सैकडों राउंड जिंदा कारतूस चोरी हो गये थे। सेना के अफसरों ने इंफेंट्री से चोरी हुए कारतूसों की खबर पुलिस के आला अफसरों को दी और सेना पर उंगली न उठे इसलिए चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी। पुलिस कप्तान ने सैन्य क्षेत्र से चुराई गई गोलियों को गम्भीरता से लेते हुए चोर गैंग को पकडने का टास्क एसओजी प्रभारी पीडी भट्ट को सौंपा जिसके बाद एसओजी प्रभारी ने सर्विलांस व मैन्यूअल तरीके से अपनी जांच को आगे बढाने का काम किया और मुखबिरों का जाल बिछाकर चोर गैंग को तलाशने के लिए रात-दिन एक कर दिया। एसओजी प्रभारी पीडी भट्ट ने एक बार फिर पुलिस महकमें में अपना सिक्का दिखाया और सबसे पहले पटेल नगर से एक कबाडी को संदेह के आधार पर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। चर्चा है कि कबाडी के पास सैन्य क्षेत्र से चुराये गये कारतूस बरामद हुए हैं। कबाडी से जब कडी पूछताछ की गई तो उसने राज उगला कि यह गोलियां खुडबुडा इलाके की तीन महिलाओं ने चुराई थी और उसे बेचा था। कबाडी से पूछताछ करने के बाद एसओजी प्रभारी ने अपनी टीम के साथ आज सुबह खुडबुडा इलाके से चोर गैंग की तीन महिलाओं को दबोच लिया और उनसे जब कैंट थाने में पूछताछ की तो उन्होंने पुलिस के सामने कई सनसनीखेज राज उजागर किये जिसको लेकर आईबी, इंटेलीजेंस, एलआईयू व सेना के खुफिया एजेंसी पकडे गये गैंग से पूछताछ कर रही हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पकडी गई गैंग की सदस्य सीमा पत्नी रंजित साहनी मूल रूप से जिला मुजफ्फरपुर बिहार की रहने वाली हैं और मौजूदा समय में वह लक्ष्मण चौकी क्षेत्र के कांवली में रह रही थी। बताया जा रहा है कि उसने खुलासा किया कि वह बचपन से कांवली रोड में रह रही थी। बताया जा रहा है कि सीमा ने खुलासा किया कि दो व तीन जनवरी को एक इंफेंट्री से गोलियां चोरी की थी और यह गोलियां जीएमएस रोड़ निवासी मुस्तकीम को बेची थी जिसमें उसे ढाई हजार रूपये मिले थे। इस गैंग की दूसरी सदस्य शिव कुमारी निवासी मुजफ्फरपुर बिहार जो कि मौजूदा समय में कांवली रोड में पुलिस चौकी के पास रहती है और उसके तीन बच्चे हैं जबकि इनकी एक साथी पिंकी को भी पकडा है जो कि नौ महीने से कांवली रोड में रहती है। पुलिस व खुफिया एजेंसियों के लिए यह पता लगाना अब बहुत बडी चुनौती हो गया है कि आखिरकार इस गैंग ने कैसे एक इंफेंट्री से यह कारतूस चुराये थे।

- गोलियां उडाने वाला गैंग दबोचा
- सेना से हजारों राउंड चुराने पर मचा था बवाल
- आखिर कैसे सेना से चुराई गोलियां?

महफूज नहीं सैन्य ठिकाने!

- आखिर कैसे तीन महिलाओं ने भेदा सुरक्षा चक्र?
- सवाल: गोलियां गार्ड रूम में रखी जाती हैं तो कैसे हुई चोरी

देहरादून। जनपद के सैन्य ठिकानों पर हमेशा सेना के जवान चौकसी में लगे रहते हैं ऐसे में अब सवाल उठा है कि आखिरकार तीन महिलायें कैसे सैन्य ठिकाने का सुरक्षा चक्र भेदकर हजारों राउंड गोलियां चुराने में सफल हुई यह सैन्य खुफिया एजेंसियों पर भी एक बडा प्रश्नचिन्ह लगा रहा है और यह बात उठ रही है कि अगर सैन्य ठिकाने से गोलियां चोरी हुई हैं तो यह साफहै कि जनपद में सैन्य ठिकाने महफूज नहीं हैं?

उल्लेखनीय है कि भारतीय सैन्य अकादमी को हमेशा आतंकी अपने निशाने पर लेते हैं और यही कारण है कि रात-दिन भारतीय सैन्य अकादमी व जनपद में सभी सैन्य ठिकानों पर सुरक्षा व्यवस्था कडी होती है और किसी भी व्यक्ति को बिना पहचान पत्र के प्रवेश करने नहीं दिया जाता। ऐसे में बहस छिड गई है कि कैंट इलाके की एक इंफेंट्री से कैसे हजारों राउंड गोलियां चोरी हो गई यह सेना की सुरक्षा पर बडा सवाल खडा कर रहा है। एसओजी ने कबाडी व महिला गैंग से हजारों राउंड इंसास रायफल के खाली कारतूस बरामद किये हैं वह सेना के अलावा किसी के पास इतनी मात्रा में नहीं हो सकते? वहीं एसएलआर के 119 जिंदा कारतूस कैसे तीन महिलायें सेना की सारी सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर चुराकर ले गई यह सेना अफसरों के लिए एक बडा चिंता का विषय होना चाहिए? देश में जहां आतंकवादी हर समय सेना को अपना निशाना बनाने में लगे हुए हैं वहीं राजधानी में तीन महिलायें कैसे सेना की सारी सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर हजारों राउंड कारतूस चुराकर ले गई यह देश के लिए भी एक बडा खतरा माना जा रहा है? सवाल यह भी खडे हो रहे हैं कि सेना के कारतूस गार्ड रूम में होते हैं जहां सुरक्षा व्यवस्था अचूक होती है लेकिन तीन महिलायें कैसे सेना की चौकसी को भेदकर यह गोलियां चुराने में सफल हो गई इसकी अगर निष्पक्ष जांच हुई तो बडे-बडे राज खुलकर सामने आ सकते हैं?

क्यों फूट-फूट कर रो पड़ी थीं दीपिका पादुकोण?

बॉलिवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण पिछले काफी समय से अपनी विवादों में घिरी फिल्म पद्मावती के प्रमोशन में जुटी हैं। फिल्म के प्रमोशनल इंटरव्यू के दौरान दीपिका ने बताया कि निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम करना बिल्कुल भी आसान नहीं है, वह जिस तरह की फिल्में बनाते हैं वह फिल्में सरलता से नहीं बनती हैं। दीपिका की मानें तो एक बार किसी गलती पर भंसाली का गुस्सा दीपिका पर इस कदर भड़का कि वह फूट-फूट कर रो पड़ी थीं। पद्मावती में दीपिका के पहनावे, स्टाइल, मेकअप और यूनीब्रो की खूब चर्चा हो रही है। अपने लुक और खास कर यूनीब्रो के बारे में बताते हुए दीपिका ने कहा, फिल्म की पहली झलक आने के बाद से ही मेरे लुक की काफी चर्चा हुई, खास तौर पर मेरे यूनिब्रो की, यह आइडिया संजय सर का था, संजय सर ने कहा था कि यूनिब्रो ट्राय करते हैं। जुड़े हुए आइब्रो से पद्मावती की आंखें और भी प्रभावी हो गयी हैं। फिल्म के दौरान मैंने जो भी कुछ किया है वह संजय सर की सोच थी... मैंने पूरी तरह उनकी सोच को फॉलो किया था। उन्होंने जो भी रिसर्च किया था उसी पर हम सब ने साथ में मिलकर काम किया है। कई तरह के अलग-अलग लुक टेस्ट किए गए आखिर में जो हमें लगा कि सही है, वही हमने तय किया।

संजय लीला भंसाली की लगातार तीन फिल्मों में काम कर चुकीं दीपिका, भंसाली के साथ अपनी बॉन्डिंग पर कहती हैं, संजय सर मेरे लिए एक निर्देशक से बढ़कर हैं, अब उनके साथ एक खास रिश्ता बन गया है, मेरी जिंदगी में उनका बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। वह मेरे लिए दोस्त भी हैं और गुरु भी, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है, न सिर्फ एक आर्टिस्ट के तौर पर बल्कि एक इंसान के तौर पर भी उन्होंने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मेरे करियर में उन्होंने मुझे कई मजबूत रोल निभाने का मौका दिया है, फिर चाहे वह लीला हो, मस्तानी हो या फिर अब पद्मावती, बड़े परदे पर उनकी फिल्मों में खुद को देखते हुए रिवॉर्ड मिलने वाली खुशी होती है। क्या भंसाली टफ निर्देशक हैं? जवाब में दीपिका कहती हैं, संजय सर टफ तो हैं ही, जिस तरह की फिल्में वह बनाते हैं उस तरह की फिल्में आसानी से नहीं बनती हैं। लगातार दो साल विश्वास, एनर्जी के साथ काम करते रहना बेहद थका देनेवाला होता है, जिससे कभी-कभी उन्हें गुस्सा भी आ जाता था। संजय सर के साथ जब मैं अपनी पहली फिल्म रामलीला की शूटिंग कर रही थी तो एक बार उन्होंने मुझे इतनी जोर से डांटा कि मैं रोने लगी थी, लेकिन अब हमारी अंडरस्टैंडिंग इतनी हो गयी है कि वह शॉट के समय मुझे देख लेते हैं तो मैं समझ जाती हूं कि क्या कमी रह गई या अब उन्हें क्या चाहिए। वैसे तो पद्मावती; में दो पुरुष पात्र हैं लेकिन फिर भी यह फिल्म आपकी ज्यादा लग रही है। इस बात पर दीपिका ने कहा, हां मुझे भी ऐसा ही लग रहा है, हिरोइन की जिंदगी में बहुत कम ऐसे मौके आते हैं जब किसी फिल्म का दारोमदार अभिनेता से ज्यादा उसके कंधों पर होता है। इस अनुभव को मैं पूरी तरह इंजॉय कर रही हूं और इससे जुड़ी जिम्मेदारी को भी मैं अच्छी तरह से जानती हूं। अच्छा भी लग रहा है कि भंसाली सर ने मुझे चुना। यह भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म है, जब फिल्म रिलीज़ होगी तब लोगों को इस फिल्म पर बहुत गर्व होगा, लोग इस फिल्म के अनुभव को बहुत इंजॉय करेंगे।

मेरी बीवी ट्विंकल से तो डॉक्टर भी डरते हैं: अक्षय कुमार

बॉलिवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म के एक प्रमोशनल इवेंट पर कहा कि उनकी बीवी ट्विंकल खन्ना के बेबाक बयानों से सुर्खियां बन जाती हैं, वह घर पर भी हर समय ट्विंकल के ऐसे ही स्टेटमेंट्स से घिरे रहते हैं। यही नहीं उनके फैमिली डॉक्टर भी ट्विंकल की जानकारी और बातों से डर जाते हैं।

बीवी ट्विंकल के बारे में अक्षय ने कहा, ट्विंकल के बयान हमेशा हेडलाइन बन जाते हैं, आप सोच नहीं सकते घर में क्या होता होगा? घर पर मैं ट्विंकल के स्टेटमेंट्स से हर समय घिरा हुआ रहता हूं लेकिन इस वजह से मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। ट्विंकल खूब पढ़ाई करती हैं इसलिए हर नई चीज के बारे में उन्हें पता होता है। अक्षय आगे कहते हैं, ट्विंकल के बारे में, मैं आपको एक मजेदार बात बताता हूं, जब हम डॉक्टर से मिलने जाते हैं और डॉक्टर कुछ बता रहे होते हैं तब ट्विंकल डॉक्टर को अपनी जानकारी और बातों से इतना हैरान कर देती हैं कि वह खुद डर जाता है। बाद में डॉक्टर मुझे कहता है-यार अगली बार अकेले आ जाना, बीवी को मत लाना।

इस मौके पर ट्विंकल ने बताया कि पैडमैन के लिए उनकी पहली पसंद अक्षय कतई नहीं थे। वह कहती हैं, जब मैंने फिल्म पैडमैन की कहानी को लेकर सोचना शुरू किया तब मेरे दिमाग में अक्षय का नाम बिल्कुल भी नहीं था। मुझे तो हमारे फिल्म के निर्देशक आर बाल्की ने राजी किया कि इस फिल्म के मुख्य किरदार में अक्षय कुमार को होना चाहिए। अक्षय कुमार के अलावा पैडमैन में राधिका आप्टे और सोनम कपूर भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन आर बाल्की ने किया है और इसे संगीत से सजाया है अमित त्रिवेदी ने। यह फिल्म 26 जनवरी 2018 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

आलिया और जैकलिन के लिए बोले वरुण धवन

इंडस्ट्री के प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक वरुण धवन के लिए भी बीता साल अच्छा रहा। आने वाले साल से भी उन्हें काफी उम्मीदें हैं। हमसे खास बातचीत में वरुण ने बताया कि आपकी एक फ्लॉप फिल्म आप पर क्या असर छोड़ सकती है।

वरुण धवन के लिए बीता साल काफी अच्छा रहा। उन्होंने बद्रीनाथ की दुल्हनिया और जुड़वा 2 दो हिट फिल्में दीं। वरुण कहते हैं कि बीता साल मेरे लिए प्रसिद्धि और शोहरत से भरा रहा। जहां एक तरफ दुलहनिया फ्रैंचाइजी की बद्रीनाथ की दुल्हनिया ने लैंगिक समानता का संदेश दिया, वहीं दूसरी तरफ जुड़वा 2 ने लगभग 20 साल पहले सलमान खान द्वारा चलाए गए जादू को दोबारा बड़े पर्दे पर उतारा। बकौल वरुण, मेरी दोनों फिल्मों की सफलता यह बताती है कि दुनिया भर के दर्शक मनोरंजन ही चाहते हैं और ऐसे में पारंपरिक मसाला बॉलिवुड फिल्में जरूर चलती हैं। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि फिल्म में इतना मसाला हो कि न सिर्फ मल्टिप्लैक्स जाने वाले, बल्कि सिंगल स्क्रीन में फिल्म देखने वाले छोटे गांव के लोग भी उसका लुत्फ ले सकें। बद्रीनाथ के बारे में वरुण कहते हैं कि यह फिल्म सामंतवादी और पुरुषप्रधान सोच पर तीखा कटाक्ष थी और इसी के चलते उन्हें छोटे शहरों के कई लड़को ने उन्हें खत लिख कर यह बताया कि किस तरह इस फिल्म ने महिलाओं की तरफ देखने का उनका नजरिया पूरी तरह से बदल कर रख दिया। जहां एक तरफ वरुण को इन दिनों बॉलिवुड के सबसे सफल कमर्शल ऐक्टर्स में से एक माना जा रहा है, वहीं उनके पैर अभी भी जमीन पर टिके हुए हैं। वरुण का कहना है कि सबके भाग्य का फैसला शुक्रवार को होता है और एक फ्लॉप फिल्म पहले की गई आपकी सारी मेहनत और पिछली सफलताओं पर हावी हो जाती है।

नए साल में नई शुरुआत

गौरतलब है कि वरुण अपने नए साल की शुरुआत शरत कटारिया की फिल्म सुई धागा से करेंगे। एक छोटे गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित यह कहानी आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की जंग के इर्द -गिर्द बुनी गई है। इस फिल्म में वह अनुष्का शर्मा के साथ नजर आएंगे। गौरतलब है कि वरुण ने हाल ही में शूजित सरकार की फिल्म अक्टूबर की शूटिंग खत्म की है। अब उनकी योजना अपनी अगली फिल्म पर ध्यान देने और उसके हिसाब से अपने वर्कआउट में बदलाव करने की है। इस बारे में वरुण ने बताया कि अक्टूबर की शूटिंग के दौरान दो महीने तक शूजित सरकार ने उनके कैरक्टर की बॉडी रिचायरमेंट को ध्यान में रखते हुए उन्हें वर्कआउट नहीं करने दिया। ऐसे में अब वरुण जल्द से जल्द अपना वर्कआउट शुरू करना चाहते हैं, ताकि वह पहले जैसी बॉडी हासिल कर सकें। वरुण की जिंदगी में इस वक्त जो बड़ा बदलाव आया है, वह है उनका नया घर, जो उनकी मां करुणा ने ही डिजाइन किया है। इस बारे में वरुण का कहना है कि वह फिलहाल अपने नए घर के आदी हो रहे हैं। साथ ही अपने घर में वह जगह तय कर रहे हैं, जहां वह आराम से स्क्रिप्ट पढ़ सकें, रिहर्सल कर सकें और फिल्में देख सकें। इसी घर के चलते वरुण इस बार क्रिसमस पर भी कहीं बाहर पार्टी करने नहीं गए, क्योंकि उनका अधिकांश समय अपने ही घर पर गृह प्रवेश के दौरान मिले उपहारों को खोलने में बीता।

आलिया और जैकलिन हैं कमाल

जैसा कि आप जानते ही हैं स्टूडेंट ऑफ द इयर वरुण धवन की डेब्यू फिल्म थी और अब इस फिल्म के सीक्वल में टाइगर श्रॉफ नजर आने वाले हैं। इस बारे में वरुण का कहना है कि यह फिल्म भी निश्चित रूप से काफी अच्छी होगी। बकौल वरुण टाइगर काफी प्रतिभाशाली कलाकार हैं और वह निश्चित रूप से अपने काम को सफलता से अंजाम देंगे। ट्रोल्स के बारे में पूछे जाने पर वरुण ने कहा कि वे बोर लोग हैं, जिनके पास की काफी फ्री समय होता है।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
गुरुवार, 11 जनवरी 2018

भारत के साथ अपना भविष्य तय कर चुका है जम्मू-कश्मीरः मुफ्ती

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने आज कश्मीर मुद्दे के राजनीतिक समाधान की जोरदार पैरवी की, लेकिन आगाह किया कि इस मामले को 'धार्मिक मुद्दे' के तौर पर तब्दील नहीं किया जाना चाहिए। मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत के साथ अपना भविष्य तय कर चुका है और अब एक चीज संभव है कि राज्य भारत और पाकिस्तान के बीच शांति का सेतु बन सकता है। उन्होंने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा, 'एक राजनीतिक मुद्दे को बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए और इसे धार्मिक मुद्दा भी नहीं बनाया जाना चाहिए क्योंकि वह राजनीतिक मुद्दे का समाधान कर सकते हैं और कोई रास्ता भी निकाल सकते हैं।'

लोहड़ी और मकर संक्रांति से पूर्व कड़ाके की सर्दी से ठिठुरी तीर्थ नगरी

ऋषिकेश। नई साल के इस्तकबाल में आई ठंड के तेवर दूसरे सप्ताह में भी नरम नहीं पड़े हैं। सर्दी का सितम बेकाबू है। लोहड़ी और मकर सक्रांति से पूर्व हर दिन ठंड पुराने रिकार्ड तोड़ रही है। वृहस्पतिवार को पारा जहाँ एक बार फिर से जबरदस्त लुड़का वहीं आसमान कोहरे की चादर में ढका रहा। लोग सूरज के दर्शन की उम्मीद लगाए रहे, पर ये आस पूरी न हुई और कोहरे के साथ दिन, शाम और फिर शाम ढल गई। शीत लहर का प्रभाव दिनभर बना रहा।सूर्य देव की आखं मिचोली के चलते कोहरे से राहत नहीं मिल पाई। लिहाजा दिनभर हाईवे से लेकर सामान्य सड़कों से गुजरने वाले वाहनों की रफ्तार थमी रही। जगह-जगह लोग सर्दी से बचाव के लिए अलाव का सहारा लिए दिखे। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सर्दी से फिलहाल अभी राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं।

सर्दी से कांप उठी गरीबी

हाड़ कंपाने वाली ठंड का प्रकोप गरम कपड़ों में ढके लोगों से टकरा बेशक पस्त पड़ जाता हो, पर ये ठंड गरीबों की जान की दुश्मन बन गई है। हालात ये हैं कि रिक्शा, ठेला चलाने वाले और दिहाड़ी मजूदर ठंड से हारकर कामकाज से बचने लगे हैं। वीरवार को भी नगर के तमाम स्थानों पर कामकाजी लोग सर्दी से ठिठुरते दिखे।

निर्माणाधीन 25 दुकानों का आंवटन सवालों के घेरे मे

ऋषिकेश। ऋषिकेश-हरिद्वार नेशनल हाईवे 58 के चौड़ीकरण में रायवाला के प्रतीत नगर ग्राम पंचायत में क्षतिग्रस्त हुई 80 दुकानों के सापेक्ष 25 दुकानों के निर्माण और आवंटन को लेकर ग्राम पंचायत प्रतीत नगर सवालों के घेरे में आ गयी है। ग्रामीणों ने दुकानों के निर्माण में नियम विरूद्ध तमाम अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एसडीएम से लेकर पीएमओ कार्यालय तक शिकायत की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम समाज की भूमि पर हाईवे चौड़ीकरण के बाद बेरोजगार हुए युवाओं के लिए 25 दुकानों का प्रस्ताव ग्रामसभा की बैठक में पास किया गया था, जिसके बाद जिला मुख्य विकास अधिकारी के अनुमोदन के बाद 25 दुकानों का पुन निर्माण होना है। देव भूमि जन संघर्ष मोर्चे के संयोजक सुरेंद्र सिंह पोखरियाल का कहना है कि सरकारी आदेश के अनुसार बेरोजगार युवाओं को दुकान बनने से पहले उनका आवंटन होना था, और आंवटन के बाद 2 लाख रूपये राशि ग्राम पंचायक के खाते में जमा होनी थी जिसके बाद उसी जमा राशि से दुकानों का निर्माण होना था लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा अब नियम विरूद्ध दुकानों का निर्माण किया जा रहा है।

भाजपा ऋषिकेश मंडल पार्टी के आजीवन सहयोग निधि में देगा 25 लाख

अमित सूरी

ऋषिकेश। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन की मजबूती व पार्टी के कोष को बढ़ाए जाने के लिए चलाए गए आजीवन सहयोग निधि कार्यक्रम के दौरान ऋषिकेश मंडल से पार्टी में 25लाख रुपए सहयोग निधि के रूप में पार्टी के कोष में जमा कराए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक सदस्य से पारदर्शिता के अंतर्गत चौक से सहयोग निधि ली जा रही है । वृहस्पतिवार को हरिद्वार मार्ग पर स्थित आशा माई धर्मशाला में आजीवन सहयोग निधि कार्यक्रम को लेकर आहुत बैठक पार्टी के मंडल अध्यक्ष चेतन शर्मा की अध्यक्षता व महामंत्री पंकज शर्मा के संचालन में समपन्न हुई।बेठक को सम्बोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष चेतन शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है। पार्टी अपनी प्रखर राष्ट्रवादी भूमि के कारण देश की मुख्य समस्याओं के समाधान के बारे में अपनी विशिष्ट सोच और विशिष्ट संरचनात्मक कार्यपद्धती के कारण एक अलग पहचान वाली पार्टी के जानी जाती है ।यही कारण है कि आज कश्मीर से कन्याकुमारी तक तथा पंचायत से संसद तक भारतीय जनता पार्टी का व्यापक प्रभाव बढा है ।इसी के चलते आज भाजपा देश भर में ही नहीं दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में स्थापित हो चुकी है। जोकि अपने कार्यकर्ताओं को आगे लाने के लिए निरंतर कार्यक्रम करती रहती है ,जिसके अंतर्गत पार्टी प्रमुख रुप से चार घटक कार्यकर्ता ,कार्यक्रम, कार्य और कोष की आवश्यकता पर जोर देती है जिससे पार्टी का आधार बना रहे और कार्यकर्ता की गतिशील बनाए रखने के लिए पार्टी द्वारा समय समय पर कार्यशाला भी लगाती है। आजीवन सहयोग निधि एकत्रीकरण कार्यक्रम के दौरान राजपाल ठाकुर, दिनेश सती, कुसुम कण्डवाल, संजय शास्त्री, इन्द्र गोदवानी, राजीव ठाकुर, गुड्डी कलूड़ा, चरणजीत लाल धींगडा, सरोज डिमरी, प्रमोद शर्मा, कविता शाह, स्नेहलता शर्मा, बृजेश चंद शर्मा, विवेक गोस्वामी, अक्षय खेरवाल, जॉनी लाम्बा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

हीरक जंयती समारोह को लेकर तैयारियां हुई तेज

● भरत मन्दिर इण्टर कालेज का तीन दिवसीय गोल्डनजुबली समारोह 25 जनवरी से ● शहर के गौरवशाली विधालय मे समारोह को लेकर चल रहा है सौन्दर्यीकरण कार्य

ऋषिकेश। तीर्थ नगरी के श्री भरत मन्दिर इण्टर कालेज के गोल्डनजुबली समारोह को लेकर स्कूल के सोन्दर्यीकरणके साथ महंत परशुराम हॉल को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है।

उत्तराखंड के गौरवशाली विधालय के 25 जनवरी से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय हीरक जयंती समारोह को लेकर विधालय परिवार और पुरातन छात्र समिति ने तमाम तैयारियों को अमलीजामा पहनाने की कवायद तेज कर दी है।स्कूल के प्रधानाचार्य डी बी पी एस रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि हीरक जंयती समारोह को ऐतिहासिक आयोजन बनाने के लिए तमाम तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है।समारोह का बड़ा आकर्षण देश के विख्यात कवि कुमार विश्वास और उनकी टीम द्वारा आयोजित होने वाला कवि सम्मेलन होगा।समारोह के दौरान विभिन्न राजनैतिक मोजूद रहेंगी।तीन दिवसीय समारोह मे सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी।देश विदेश मे विधालय का नाम रोशन करने वाले पुरातन छात्रों के सम्मान के साथ विधालय से शिक्षा ग्रहण कर देश की आन ,बान और शान के लिए शहादत देने वाले अमर सैनिकों के परिजनों को भी सम्मानित किया जायेगा।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि देश विदेश विधालय का नाम रोशन करने वाले सैकड़ों पुरातन छात्रों ने समारोह मे सम्मिलित होने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

सम्पादकीय

पांडे की मौत रहेगी राज

उत्तराखण्ड सरकार के लिए हल्द्वानी के प्रकाश पांडे की मौत एक बडा दाग साबित हुई है और कांग्रेस ने भी प्रकाश पांडे की मौत पर सरकार की घेराबंदी कर उसे सडकों पर घेरने का काम किया है। सरकार द्वारा भाजपा प्रदेश कार्यालय में लगाये जा रहे जनता दरबार से आम आदमी को कौन सी राहत मिल रही है यह एक बडा सवाल बार-बार राज्य के गलियारों में गूंज रहा है जनता दरबार लगाने वाले मंत्री अपने सामने आने वाले फरियादी की चिट्ठी लेकर उसे अपने पास रख तो लेते हैं लेकिन उस पर क्या एक्शन होता है यह समझ से परे है। बहस इस बात की भी हो रही है कि आखिरकार जनता दरबार सिर्फ देहरादून में भाजपा प्रदेश कार्यालय में ही क्यों सजाये जा रहे हैं क्या जनपदों के मंत्री व विधायक अपने इलाके में जनता दरबार लगाकर अफसरों को आवाम की शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर पूरा करने का आदेश क्यों जारी नहीं करते यह सरकार की मंशा पर एक बडा ग्रहण लगा रहा है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में लगने वाले जनता दरबार में भले ही किसी पीडित को कोई राहत मिली हो या न मिली हो यह तो एक राज ही है लेकिन जिस तरह से हल्द्वानी के एक ट्रांसपोर्टर ने सरकार से आहत होकर कृषि मंत्री के जनता दरबार में जहर खाकर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तथा उनके ओएसडी को नोटबंदी व जीएसटी पर कटघरे में खडा किया वह किसी से छिपा नहीं है। प्रकाश पांडे अपने परिवार को जिंदा रखने की आस में खुद जहर खाकर हमेशा के लिए मौत की नींद सो गया और उसके बाद उत्तराखण्ड से लेकर दिल्ली तक में प्रकाश पांडे की मौत पर एक भूचाल मचा हुआ है। सरकार की जब प्रकाश पांडे की मौत को लेकर किरकिरी हुई तो मुखिया ने पांडे की मौत की मजिस्ट्रेड जांच के आदेश दे दिये लेकिन इस जांच को लेकर अब राज्य के अन्दर सवाल ही सवाल खडे हो रहे हैं कि आखिरकार जांच का पैमाना क्या होगा। सरकार के सामने प्रकाश पांडे की वीडियो मौजूद है जिसमें उसने साफसंदेश दे रखा है कि नोटबंदी व जीएसटी से उसका धंधा चौपट हुआ तो उसने जहर खाकर मौत को गले लगा लिया। मजिस्ट्रेट जांच का पैमाना क्या होगा यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है। सरकार से विपरीत खडे विपक्षी दल भी खुलकर दाग लगा रहे हैं कि जब प्रकाश पांडे ने अपनी मौत से पहले सार्वजनिक किये गये वीडियो में जहर खाने का कारण उजागर किया है तो फिर मजिस्ट्रेट जांच किस स्तर की होगी और क्या होगी और कैसे इसे अंजाम तक पहुंचाया जायेगा यह अपने आपमें कई सवाल पैदा कर रहा है। प्रकाश पांडे की मौत के बाद उसके परिजनों को सरकार ने मुआवजा देने के लिए ऐलान तो किया लेकिन सवाल यह है कि आखिरकार मुख्यमंत्री के ओएसडी उर्वादत्त भट्ट अगर प्रकाश की बात मानकर उसकी समस्या को हल कराने की दिशा में आगे आये हुए होते तो पांडे को मौत के मुंह में नहीं जाना पडता और न ही सरकार की इस मुद्दे पर उत्तराखण्ड से लेकर दिल्ली तक किरकिरी होती। प्रकाश पांडे की मौत सरकार के लिए एक बडा दाग है और आने वाले समय में सरकार क्या इस दाग को धो पायेगी यह बडा सवाल अब राज्य के अन्दर चर्चा का विषय बना हुआ है।

चाबहार बंदरगाह से संबंधित सभी मुद्दे सुलझे: नितिन गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी ने आज कहा कि भारत और ईरान ने चाबहार बंदरगाह से संबंधित सभी मुद्दे सुलझा लिये हैं और विकास कार्यों को अब तेज किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि भारत पहले ही चाबहार बंदरगाह के जरिये गेहूं की पहली खेप अफगानिस्तान को भेज चुका है।

गडकरी ने ईरान के परिवहन मंत्री अब्बास अखौंदी के साथ यहां मुलाकात के बाद कहा, ''हमने चाबहार बंदरगाह से संबंधित सभी मुद्दे सुलझा लिये हैं। इस बाबत कुछ छोटी दिक्कतें थी। हमने उनके बारे में चर्चा की और हमारा रुख सकारात्मक रहा। हम पहले ही गेहूं का निर्यात शुरू कर चुके हैं।'' चाबहार बंदरगाह के विकास से संबंधित दिक्कतों के बारे में गडकरी ने किा, ''बंदरगाह, उसका परिचालन और लाभ की गणना करने के तरीके को लेकर छोटी समस्याएं थीं।'' बैठक में शामिल एक आधिकारिक सूत्र ने पीटीआई भाषा को बताया कि इस दौरान अनुबंध् के अंतरिम परिचालन से संबंधित सारी दिक्कतों को दूर कर लिया गया है।

गडकरी ने कहा, 'हम ईरान व भारत में विकास की गतिविधियों का समर्थन कर रहे हैं। आज की बैठक काफी फलदायी रही। जल्दी ही आने वाले समय में चाबहार में काफी विकास होगा।' मंत्री ने कहा कि भारतीय कारोबारियों और निवेशकों के लिए चाबहार में निवेश के काफी अवसर होंगे। उन्होंने कहा, ''इसके साथ साथ ईरान के निवेशक भी भारत में निवेश को इच्छुक हैं। यह दोनों देशों के लिए फायदे की स्थिति है। बातचीत काफी फलदायी रही।'' गडकरी ने कहा, 'आने वाले कुछ समय में हम कार्य संपन्न कर लेंगे। यह अफगानिस्तान-रूस के लिए निर्यात खोलकर भारत की आर्थिक वृद्धि का इंजन बनेगा। हमें इसके लिए पाकिस्तान की जरूरत नहीं होगी। यह सुनहरा अवसर है।'

उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के निवेशकों के लिए दरवाजे खोलेगा। अखौंदी ने इस मौके पर कहा कि भारत और ईरान को इसे अधिक सफल बनाने के लिए साथ-साथ बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि बातचीत आधारभूत संरचना व लॉजिस्टिक आदि के विकास पर भी केंद्रित रही।

कोरेगांव भीमा हिंसा मामले में 3 व्यक्ति गिरफ्तार

पुणे। कोरेगांव भीमा के निकट एक जनवरी को जातीय हिंसा के दौरान 30 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुणे पुलिस ने अहमदनगर जिले से आज तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुणे जिले में कोरेगांव भीम के निकट हुई हिंसा के दौरान राहुल फटांगले की कथित तौर पर हत्या हुई थी। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफमुकदमा दर्ज कराया गया था। फटांगले पर लोगों के एक समूह ने उस समय कथित तौर पर हमला कर दिया था जब वह घर लौट रहे थे। पुलिस अधीक्षक सुवेज हक ने कहा, हमने अहमद नगर से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और सभी ने फटांगले पर पत्थर और डंडे से हमला करने का अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

अंतरिक्ष में कचरा

एक बार फिर अंतरिक्ष से एक कृत्रिम पिंड के धरती पर गिरने की चर्चा है। खबर है कि चीनी स्पेस स्टेशन थियांगोंग-1 मार्च में किसी समय पृथ्वी से टकरा सकता है। चीनी अंतरिक्ष एजेंसी इस बात की आधिकारिक घोषणा 2016 में ही कर चुकी है कि इस स्पेस स्टेशन से उसका संपर्क और नियंत्रण खत्म हो चुका है। उसके बाद से इसे खोजने की कोशिश चल रही थी। अब पता चला है कि यह मार्च में किसी वक्त पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर सकता है।

हालांकि विशेषज्ञों की स्पष्ट राय है कि चिंता की कोई जरूरत नहीं है। करीब नौ टन वजनी इस चीज का वजन धरती की सतह तक पहुंचते-पहुंचते एक से चार टन ही रह जाने का अनुमान है। 1979 में 75 टन से भी ज्यादा वजनी नासा का स्पेस स्टेशन स्काईलैब गिरा था, तब दुनिया भर में घबराहट का आलम था लेकिन वह बिना कोई नुकसान पहुंचाए समुद्र में गिर कर नष्ट हो गया। बहरहाल, इस स्पेस स्टेशन का गिरना भले कोई समस्या न हो, पर इतना तय है कि यह अपने पीछे कुछ अवशेष जरूर अंतरिक्ष में छोड़कर आएगा। दरअसल, पृथ्वी की कक्षा में घूम रही छोटी चीजें न तो नीचे आती हैं, और न ऊपर जाती हैं। वे त्रिशंकु की तरह वहीं घूमती रहती हैं और अंतरिक्षयानों, उपग्रहों, स्पेस स्टेशनों के लिए खतरे का सबब बनी रहती हैं।

पिछले 60 वर्षों में जैसे-जैसे विभिन्न देशों की अंतरिक्ष संबंधी गतिविधियां बढ़ी हैं, वहां धरती से पहुंचने वाला कचरा बढ़ता ही जा रहा है। जुलाई 2016 में अमेरिकी स्ट्रैटिजिक कमान ने निकट अंतरिक्ष में 17,852 कृत्रिम वस्तुएं दर्ज की थीं, जिनमें 1419 कृत्रिम उपग्रह शामिल थे। मगर यह तो सिर्फ बड़े पिंडों की बात थी। इससे पहले 2013 की एक स्टडी में 1 सेंटीमीटर से कम बड़े 17 करोड़ कचरे पाए गए थे और 1 से 10 सेंटीमीटर के बीच आकार वाले कचरों की संख्या 6,70,000 पाई गई थी। इससे बड़े आकार वाले कचरों की अनुमानित संख्या 29,000 बताई गई थी। अंतरिक्ष में आवारा घूमती ये चीजें किसी भी अंतरिक्ष अभियान का काल बन सकती हैं। इस मुश्किल को बेकाबू होने से रोकने का एक ही तरीका है कि हमारे द्वारा वहां भेजी गई किसी भी चीज का कोई हिस्सा अलग होकर अंतरिक्ष में न छूटे।

आप का फैसला

आम आदमी पार्टी ने अपने नेता संजय सिंह, व्यापारी सुशील गुप्ता और चार्टर्ड अकांउटेंट एन.डी.गुप्ता को दिल्ली की तीन राज्यसभा सीटों के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इस फैसले से एक ओर पार्टी के कुछ नेता नाराज हैं, दूसरी ओर पार्टी के बाहर भी इस पर थोड़ी हैरानी जताई जा रही है। दरअसल 'आप' की छवि लीक तोड़कर चलने वाली पार्टी की रही है, लिहाजा हर स्तर पर उससे किसी असाधारण कदम की उम्मीद लगा ली जाती है।

कुछ समय पहले इस पार्टी ने ऐसा संकेत भी दिया था कि राज्यसभा में राजनीतिक लोगों के बजाय एक्सपर्ट्स को भेजा जाएगा। इसके लिए जिस तरह से उसकी बात रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन से चली, उससे यही लगा कि पार्टी विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को राज्य सभा में बिठाकर अपने साथ-साथ संसद की भी गरिमा बढ़ाएगी। विशेषज्ञों की उपस्थिति से विधायी कार्यों को एक नया आयाम मिलता है, जो राज्यसभा का एक बड़ा मकसद भी रहा है। संसद के इस उच्च सदन का गठन इस उद्देश्य से किया गया था कि समाज में अलग-अलग स्तरों पर अहम भूमिका निभा रहे लोग, जो सीधे राजनीति में नहीं आ सकते, यहां रहकर नीति-निर्माण की प्रक्रिया में भाग ले सकें।

पर 'आप' ने जब अंतिम सूची जारी की तो उससे कुछ अलग करने की आस लगाए लोगों को झटका लगा। गंभीर लोगों के बीच भी कई तरह की बातें उठीं। जैसे यह कि क्या यह पार्टी जाने-माने लोगों को अपने साथ लाने की क्षमता खो चुकी है? यह भी कि अगर इस फैसले के पीछे बड़े नेताओं की असहमति जिम्मेदार है तो पार्टी आलाकमान शीर्ष स्तर पर भी आपसी सहमति क्यों नहीं कायम कर पा रहा है? वैसे, 'आप' ने राज्यसभा के लिए जो नाम तय किए हैं, उन्हें बहुत अस्वाभाविक भी नहीं कहा जा सकता।

संजय सिंह पार्टी के गठन के समय से ही इससे जुड़े रहे हैं और उनकी सार्वजनिक साख भी ठीक-ठाक है। सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता भी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय हैं, हालांकि पार्टी के लिए वे नए ही कहे जाएंगे। इस तरह 'आप' ने वैसा ही किया, जैसा दूसरी पार्टियां करती रही हैं। अक्सर वे अपने दल के सक्रिय नेताओं के बजाय ऐसे अराजनीतिक लोगों को राज्यसभा में भेजती हैं, जो देश के लिए न सही, पार्टी के लिए उपयोगी समझे जाते हैं। इस तरह आए कई लोगों ने बाद में पार्टी के भीतर अहम जिम्मेदारियां भी संभाली हैं। राज्यसभा के दोनों नए उम्मीदवार भी आगे चलकर 'आप' में ऐसी भूमिका निभा सकते हैं लेकिन अभी तो इन पर राज्यसभा में पार्टी का पक्ष मजबूती से रखने की ही जिम्मेदारी होगी। 'आप' की छवि अभी दिल्ली की पार्टी जैसी ही है। लोकसभा में 'आप' के सांसदों का हाल देखते हुए लोगबाग राष्ट्रीय प्रश्नों पर 'आप' का स्टैंड राज्य सभा से ही जानना चाहेंगे।

महानगरीय अरण्य में खो रहे श्रवणकुमार

भारत में बदलाव के इस नए दौर में बहुत कुछ तेजी से बदल रहा है । नए समाज में तकनीक आदमी को जिस तेजी बदल रही है, उसका सबसे बड़ा साईड इफेक्ट आदमियत का तेजी से तिरोहित होना है । मशीन ने आदमी को अपनी तरह मशीन क्या बनाया, उससे उसकी सबसे बड़ी दौलत छीन ली । सुख सुविधा और दौलत की हवस में वह अपनी इंसानियत लुटा रहा है । हाईटेक दौर में आज वह इस आधुनिक समाज का महज एक कलपुर्जा बनकर रह गया है जो चलता फिरता तो दिखाई देता है लेकिन उसकी संवेदना मरती जा रही है । आदमी मूल्यविहीन समाज में एक आटोमेटिक मूवमेंटल स्टेचू की तरह बनकर रह गया है, जिसका रिमोट कंट्रोल आर्टिफिशियल और खुदगर्ज और तकनीक आधारित बाजार के हाथ में हैं । बाजारु ताकतों के चक्रव्यूह में फंसा यह लौह मानव या काठ मानव अपनी मानवीयता तज कर स्वार्थ के लिए न सिर्फ अपने फर्ज से भाग रहा है बल्कि रिश्तों की बस्ती में वह बिल्कुल तन्हा होकर रह गया है । और यह आत्मकेंद्रित और रुगण सोच उसे इंसानियत से दूर बहुत हद तक एक स्वार्थ के पुतले या हैवान में तब्दील करती जा रही है । फिल्मों, टीवी और इंटरनेट संस्कृति के पुरअसर वाला यह समाज अपनी जड़ों से कटता जा रहा है, जहां स्वार्थपरता और भौतिकता के आडंबर और पाखंड का जादू नई नस्ल के भी सर चढ़कर बोल रहा है । राजकोट में फिर एक कलयुगी पुत्र द्वारा द्वारा अपनी बीमार मां की हत्या की वारदात भारत के इसी पतित समाज की व्याधि का एक और शर्मनाक उदाहरण है । इस घटना ने फिर से एक बार पूरे समाज के तानेबाने को झिंझोड़ कर रख दिया । ब्रेन हेमरेज से दो महीने से बेड पर अपनी मां को छत से फेंककर निर्दयता से मारने वाला आदमी कोई गांव गवंई का अनपढ़ और नशेड़ी युवक नहीं बल्कि उच्च शिक्षित है । वह शिक्षा के मंदिर में देश का भविष्य गढ़ने वाला एक प्रोफसर है । किसी पेशेवर अपराधी की तरह अपनी जन्मदाता और उसे डेढ़ लाख वेतन दिलाने वाली नौकरी तक पहुंचाने वाली मां को उसने जिस शातिराना तरीके से निर्ममता से कत्ल किया, वह हैवानियत की चरमसीमा है । संदीप नामक इस हत्यारे ने अपनी मां की महज इसलिए जान ले ली क्योंकि वह उसकी बीमारी और देखभाल से आजिज आ चुका था । कानून और पाप पुण्य की परिभाषा में मां को मौत के घाट उतारने वाला निश्चित तौर पर अपराधी और पापी हो सकता है कि लेकिन उससे बड़े अपराधी और पापी हम लोग हैं जो ऐसे मूल्यहीन समाज का निर्माण कर रहे हैं । इसके पहले हाल ही में छत्तीसगढ़ के दुर्ग में इससे भी संगीन घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है । एक जनवरी को प्रसिद्ध नगपुरा जैन तीर्थ के संस्थापक 72 वर्षीय रावलमल जैन मणि और उनकी पत्नी 68 वर्षीय सूरजी देवी की गोली मारकर उन्हीं के इललौते कलयुगी पुत्र 42 वर्षीय संदीप जैन ने गोली मारकर हत्या कर दी । समाजशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के साथ बुद्धिजीवियों को इस वारदात ने नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है । क्योंकि यह घटना महज किसी परिवार और शहर और जाति विशेष की नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए एक सबक है । मातृ -पितृ हंता को एक अय्याश, नशेड़ी होने के साथ हत्या की वजह भी पिता द्वारा अनाप शनाप खर्चे पर रोकटोक बताया जा रहा है । संपत्ति विवाद भी एक बड़ा कारण है । किसी मास्टर माईंड अपराधी की तरह अपने बूढ़े माता पिता की नृशंस हत्या करने वाले इस असंवेदनशील युवक के हाथ उस समय क्यों नहीं कांपे जब उसने पिस्तौल का ट्रिगर दबाया । उसे कवि बनने की सनक सवार थी, लेकिन इस शातिर बहुरुपिए को यह भी भान होना चाहिए था कि कविता का मर्म संवेदना और चेतना है ,जिसने वाल्मीकि, तुलसी और कालीदास का महाकवि बना दिया । आखिर हत्यारा इस कदर हैवान क्यों बन गया ? इसकी आखिर वजह क्या है । सबसे बड़ा सवाल यह है कि अहिंसा परमो धर्म की शिक्षा देने वाले धर्म और जाति से ताल्लुक रखने वाले और तीस साल से देश प्रसिद्ध पार्श्व तीर्थ की स्थापना और संचालन करने वाले इतने बड़े झंडाबरदार ने क्या पुत्र में संस्कार रोपण करने में कहीं कोई कमी छोड़ दी । ऐसी किस तरह की मशरुफियत और मजबूरी थी कि पुत्र के रुप में उनके घर और मंदिर में पुत्र के रुप में एक पिता व मातृहंता आकार लेता रहा और माता पिता को पता भी नहीं चला । यह दोनों ही ताजा घटनाएं हमारे नए दौर के लिए इस रुप में यक्ष प्रश्न हैं कि आखिर हम किस तरह के समाज का निर्माण कर रहे हैं । क्या एक ऐसे समाज का जिसका केंद्र सिर्फ अर्थ, स्वार्थ और भोग है । दौलत और शोहरत की हनक ने आखिर आदमी को इतना विक्षिप्ति क्यों कर दिया है कि वह इंसानियत ही भूल बैठा है । यह विषय बहस के साथ परिणामकारी निष्कर्ष का हो, इसकी कोशिश होनी चाहिए । दरअसल हत्यारे यह दोनों संदीप नहीं है बल्कि वह समाज और व्यवस्था है जिसने इन दोनों हत्यारे युवकों को इस महा अपराध के लिए मजबूर किया । कुसंस्कार और सुसंगति ने ही उन्हें इतना बड़ा अपराध करने पर मजबूर किया । वरना बेटा तो इस देश मे श्रवणकुमार भी हुआ जिसने अपने अंधे माता पिता को कांवर में बिठाकर तीर्थाटन कराया । अपने माता पिता, बेटा बेटी और भाई बहन की हत्या करने की घटनाएं पिछले दो तीन दशक में तेजी से बढ़ रही है । नब्बे के बाद आर्थिक उदारीकरण के साथ मुक्त अर्थ व्यवस्था के साथ भारत मे पश्चिमी की भोगवादी संस्कृति तेजी से परवान चढ़ रही है । उपभोक्तावादी संस्कृति और इस समाज ने हमें जिस तरह से कलपुर्जे में तब्दील किया, उससे हमारे पास न संवेदना और मानवीयता बची और ना ही अपनों के लिए वक्त ही बच पाया । तेजी से रसातल में जाते समाज के पास विरासत में मिले मूल्य खत्म होते जा रहे हैं । न्यूक्लीयर फैमिली में अब हम दो हमारे दो नहीं, हम दो और हमारे एक हैं । बल्कि हालात अब तो इससे भी आगे लिव इन रिलेशन और चालीस पार एक बच्चे को जन्म देने के होकर रह गए हैं । यहां दादा दादी, नाना नानी और चाचा चाची के लिए कोई स्पेस नहीं बचा है । हमारे रहनुमा वैश्विक ग्राम की तो बात करते हैं लेकिन शहरों को चकाचौंध करने के जोखिम में वे गांवों से दूर होते जा रहे हैं । हमारे पुरखों और गांधी का गांव फिल्मों में भी नहीं दिखाई देता । एक दूसरे की मदद और दुख सुख बांटकर हौसलाअफजाई करने वाले संयुक्त परिवार की कब्र पर महानगरीय अरण्य फैलाने की सजा यह देश भुगत रहा है । दोनों संदीप इसी मूल्यहीन समाज के हिस्से हैं । राजकोट के जिस संदीप ने अपनी बीमार को बेरहमी से मारा, उसके पास मां की देखभाल के लिए के लिए संयुक्त परिवार नहीं है । उसे संपत्ति की भी भूख है । दुर्ग का संदीप भौतिकता की चकाचौंध और येनकेन प्रकारेण कम उम्र और वक्त में शोहरत पा लेने का शर्मनाक प्रतीक है । अब अर्थ पर केंद्रित वह समाज तेजी आकार ले रहा है जहां दिखावा और देह का भौतिक सुख ही जीवन का एकमात्र उद्देश्य बनकर रह गया है । नई पीढ़ी नैतिकता को दरकिनार इस लिए कर रही है कि स्कूलों कालेजों की तालीम और डिग्री में इस फिजूल समझी जाने वाले लफ्ज के लिए अब कोई स्पेस बचा नहीं है । गांधी, बुद्ध और ईसा उनके लिए उंह.. हैं । उनके रोल माडल सलमान, रणवीर, दीपिका और सोनाक्षी हैं । पालक बच्चे के गर्भ में आने से लेकर कालेज से निकलते तक पैसेवाला बड़ा आदमी बनने का उसे सपना दिखाते रहते हैं । अब बड़ा आदमी तो कोई सीधे रास्ते से बनने से रहा । यह जो भेड़चाल और भीड़तंत्र वाला समाज बन रहा है वहां रफ्तार और शोर है । हर किसी को पसीना बहाते सीधे रास्ते की बजाए आड़े तिरझे रास्ते से मंजिल तक पहुंचने की जो हड़बड़ी वही सारी गड़बड़ी की जड़ है । समाज को चाहिए कि वक्त रहते आत्मचिंतन कर बदलाव को सकारात्मक दिशा दे । दिशा दिखावे के भाषण और प्रवचन और उपदेश से नहीं बल्कि कर्म और आचरण से मिलेगी ।

दुगड्डा भ्रमण के प्रश्चात यमकेश्वर विधायक ने ली

भाजपा स्वर्ग आश्रम मण्डल कार्यकर्ताओं की बैठक

ऋषिकेश। यमकेश्वर विधायक ऋतु खण्डूड़ी के दुगड्डा क्षेत्र के चार दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम का वृहस्पतिवार की दोपहर समापन हो गया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक श्रीमती खण्डूड़ी ने बेहद सर्द मौसम के बावजूद अपनी विधानसभा के दुर्गम दुगड्डा क्षेत्र मे तमाम अधिकारियों की मौजूदगी मे क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनकर अनेकों जनसमस्याओं का मौके पर ही उनके द्वारा निस्तारण कराया गया। इन सबके बीच चार दिवसीय दौरे के समापन मोके पर क्षेत्रीय विधायक का भाजपा स्वर्ग आश्रम मंडल की और से जोरदार स्वागत और अभिंदन किया गया। स्वर्ग आश्रम के लोनिवि मे आयोजित कार्यक्रम मे विधायक खण्डूड़ी ने कार्यकर्ताओं की बैठक लेते हुए उनसे निकाय चुनाव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। कहा कि उत्तराखंड मे सुशासन ओर विकास कार्यों को लेकर पार्टी अप्रेल माह मे संभावित निकाय चुनाव मे जनता के बीच जायेगी और अपनी उपलब्धियों के बूते ही इन चुनाव मे प्रंचड जीत भी हासिल करेगी। इस दौरान मंडल अध्यक्ष भरत लाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अश्वनी गुप्ता ,त्रिवेंद्र सिंह नेगी ,बृजेश चतुर्वेदी, गोपाल अग्रवाल, गुरुपाल बत्रा, गजेंद्र नागर ,पूजा आर्या, मोहन नागर, महेश नागर, पूनम ,विनीता शर्मा ,मीनाक्षी भंडारी ,बबली देशवाल आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसजनों ने किया लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण

नगर संवाददाता

देहरादून। कांग्रेसजनों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लालबहादुर शास्त्री की

पुण्य तिथि के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय, राजीव भवन में श्रद्धांजलि देते हुए उनका भावपूर्ण स्मरण किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत व प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष जोत सिह बिष्ट के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उनका कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री अपनी सादगी, कर्तव्य निष्ठा और राष्ट्र सेवा के लिए सदैव याद किये जाते रहेंगे। कांग्रेसजनों ने उनके बलिदान का स्मरण करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये तथा उनका दिया हुआ 'जय जवान जय किसान' के नारे लगाये। इस अवसर पर कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

मां बाप की डांट से नाराज युवती ने खाया जहर

ऋषिकेश अमित सूरी-मां बाप की डांट से नाराज युवती ने विषैला पदार्थ खाकर किया आत्महत्या का असफल प्रयास ।युवती को ऋषिकेश के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शांति नगर निवासी ऋषि पाल व उसकी पत्नी ने किसी बात को लेकर अपनी 19 वर्षीय पुत्री को बीती शाम डांट लगाई थी । जिस से नाराज होकर युवती ने बुधवार की देर रात करीब डेढ बजे जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजनों द्वारा उसे सरकारी अस्पताल लाया गया जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है ।

युवाओं में सेना के प्रति रुचि जगाने के लिए सेना ने एम्स में बजाया बैंड

ऋषिकेश। युवाओं में सेना के प्रति रुचि जगाने और आम लोगों को सेना के अनुशासन से परिचित कराने के उद्देश्य को लेकर रायवाला की तोप खाना डिवीजन की 38 वीं रेजिमेंट ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में सेना के बैण्ड की प्रस्तुति दी ।कार्यक्रम का क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय से पहुंचे सैकड़ों की संख्या में छात्रों व लोगों ने जम करआनंद लिया। बृहस्पतिवार की दोपहर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में रायवाला की तोप खाना डिवीजन की 38वीं फिल्ड रेजिमेंट सेना के कमांडर जे. बी.एस. व ब्रिगेडियर बी.एस.रेड्डी तथा सूबेदार प्रवीण पी.पी. के संचालन में सेना के बैण्ड की प्रस्तुति दी ।कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओ व आम नागरिको में सेना के प्रति रुचि उत्पन्न करना था। इस अवसर पर ब्रिगेडियर वी एस रेड्डी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर सामान्य नागरिकों में सेना के जवानों द्वारा किए जाते है। जिसका उद्देश्य आम नागरिकों मे अनुशासन, लोकाचार, शिष्टाचार तथा सेना की छमता से अवगत कराना होता है।इस प्रकार के बेड की प्रस्तुति में सामान्य लोगों को भी आमंत्रित किया जाता है ।सेना के बैण्ड की प्रस्तुति के दौरान एम्स के निदेशक डॉ रवि कांत सहित एम्स प्रशासनिक तंत्र से जुड़े लोग प्रमुख रूप से मोजूद रहे।

रवीश कुमार के ब्लाक से

हल्द्वानी के ट्रांसपोर्टर प्रकाश पांडे की मौत पर मीडिया ने चुकाई जीएसटी

कई व्यापारी मुझे लिखते हैं कि जीएसटी के कारण उनके 50-50 लाख रुपये रिफ़ंड के अटके पड़े हैं। कारोबार अटक गया है

राष्ट्रीय चैनलों से डिबेट शो में पिछले तीन दिनों से उत्तराखंड के ट्रांसपोर्टर प्रकाश पांडे की मौत को लेकर चर्चा हो रही है। एंकरों को कोई दूसरा मुद्दा ही नहीं मिल रहा है। व्यापारी सड़क पर हैं। ट्रांसपोर्टर प्रकाश पांडे जीएसटी और नोटबंदी के कारण कर्जे में आ गए और सल्फास खाकर मर गए। एंकरों का गुस्सा देखने लायक है। वक्ता और प्रवक्ता की शराफ़त माननी होगी। वे झगड़ नहीं रहे हैं बल्कि शर्मिंदा हैं। मुआवजा और मदद की बात कर रहे हैं। हमारी राजनीति की यही अच्छी बात है। पहले नहीं होती मगर मरने के बाद संवेदनशीलता में कोई कमी नहीं होती है।

प्रकाश पांडे की मौत पर ऐसे ही डिबेट होता अगर मीडिया गोदी मीडिया न होता। मैं टीवी नहीं देखता, इसलिए कल्पना ही कर सकता हूं कि चर्चा हो रही है। जानता हूं कि ऐसा नहीं होगा तभी तो टीवी नहीं देखता हूं। मीडिया चुप रह कर जीएसटी चुका रहा है। देहरादून में बीजेपी के मुख्यालय पर राज्य के कृषि मंत्री जनसुनवाई कर रहे थे। उसी वक्त ट्रांसपोर्टर प्रकाश पांडे आते हैं और अपनी बात कहने के बाद बेहोश हो जाते हैं कि सिस्टम ने मुझे परेशान कर दिया। मैं कर्जदार हो गया हूं। जीएसटी और नोटबंदी लागू होने से (हिन्दुस्तान टाइम्स)। वैसे यह ख़बर कई अख़बारों में छपी है।

अख़बारों ने लिखा है कि पांडे ने कृषि मंत्री को एक पत्र भी दिया जिसमें लिखा था कि ट्रक की किश्त नहीं दे पा रहे हैं, बच्चों की फीस नहीं भर पा रहे हैं। उनके बेहोश होने के बाद बीजेपी के कार्यकर्ता अस्तपाल तक ले गए। जहां तीन दिनों तक भर्ती रहने के बाद भी प्रकाश नहीं बच सके। प्रकाश पांडे ने सल्फास खा लिया था। प्रकाश की फेसबुक प्रोफाइल बताती है कि वह भाजपा समर्थक ही थे। आई टी सेल के तमाम रचनाओं को आगे बढ़ाते रहे। अपनी स्थिति को लेकर भाजपा सरकार के ओहदेदारों से संपर्क में भी थे। मगर कुछ नहीं हुआ। बिहार का इंजीनियर रोहित सिंह भी मोदी का फैन था। चलती ट्रेन से फेंक कर मार दिया गया। महीनों तक सिस्टम चुप रहा।

सिस्टम की क्रूरता उसके प्रति भक्ति से कम नहीं हो जाती है। हम एक ऐसे दौर में हैं जहां न विरोधी होकर कल्याण है न भक्त होकर। हर आदमी अपनी भीड़ में अकेला है। सिस्टम की क्रूरता किसी सरकार के आने से नहीं बदल जाती मगर उस सरकार की संवेदनशीलता अगर ख़त्म हो जाए तो सिस्टम जानलेवा हो जाता है। हर राज्य में यही हाल है। जीएसटी और नोटबंदी की तारीफ़ों के फुटनोट्स में प्रकाश पांडे की लाश पड़ी मिलेगी। किसी को दिखेगी भी नहीं। काश उन्हें कोई सुन लेता। कोई दिलासा दे देता। बैंकों से कह दिया जाता कि जैसे बड़े कॉरपोरेट से लाखों करोड़ का लोन लेने के वक्त आप आंखें मूंद लेते हैं, वैसे ही जीएसटी और नोटबंदी से परेशान व्यापारियों के लिए भी निगाह फेर लीजिए। उन्हें मोहलत दे दीजिए। ये व्यापारी ही तो राष्ट्रवाद के प्रायोजक हैं। इनकी निष्ठा पर शक क्यों करें, चुका ही देंगे। मगर सब कुछ ब्याज है। सूद है। मूल कुछ नहीं। हल्द्वानी के प्रकाश पांडे के सल्फास खाने के बाद मुख्यमंत्री 12 लाख रुपये मुआवजा देने का एलान कर रहे हैं। परिवार वाले स्थाई नौकरी और अधिक मुआवजे की मांग कर रहे हैं। हल्द्वानी में व्यापारियों और ट्रांसपोर्टर ने बुधवार को बंद भी रखा। हिन्दुस्तान टाइम्स से ट्रांसपोर्टर संघ के अध्यक्ष प्रीतम सब्बरवाल ने कहा है कि बिजनेस ख़त्म हो गया है। राज्य सरकार कुछ नहीं कर रही है। प्रकाश की मौत बताती है कि राज्य में ट्रांसपोर्टर की हालत कितनी ख़राब है। अच्छा होता ट्रांसपोर्टर और व्यापारी भी प्रकाश जैसे व्यापारियों का साथ देते और खुलकर लड़ाई लड़ते। कई व्यापारी मुझे लिखते हैं कि जीएसटी के कारण उनके 50-50 लाख रुपये रिफ़ंड के अटके पड़े हैं। कारोबार अटक गया है। लिखता नहीं वरना आप कहेंगे कि मोदी विरोध का ठेका लेकर बैठा हूं। हालांकि जीएसटी पर सरकार को फीडबैक देने का साहस नहीं दिखाया होता तो व्यापारियों की क्या हालत होती। सरकार के कितने फैसले हमारी स्टोरी को सही साबित करते हैं। हमारा काम फीडबैक पहुंचाना है सो समय पर पहुंचा दिया। व्यापारी जितने भी ताकतवर हों, जीएसटी की तारीफही उन्हें सुनने को मिलेगी। उनकी तकलीफ की अब कोई जगह नहीं है। न किसी अख़बार में न किसी संसार में। पैसा कितना निर्बल बना देता है। बल्कि सत्ता के दरबार में पैसा ही निर्बल बना देता है।

यूकेडी कार्यकर्ताओं ने दहन किया मुख्यमंत्री का पुतला

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल की महानगर इकाई में दिवंगत प्रकाश पांडे प्रकरण पर सरकार की लापरवाही व और असंवेदनशीलता के विरोध में प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन के अंतर्गत गांधी रोड स्थित द्रोण चौराहे पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत का पुतला दहन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार के खिलाफआंदोलन के क्रम को जारी रखा जायेगा। वहीं कृषि मंत्री सुबोध उनियाल को तत्काल बर्खास्त किये जाने की मांग की गई।

यहां दल के कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष संजय क्षेत्री के नेतृत्व में केन्द्रीय कार्यालय में इकटठा हुए और वहां से प्रदेश सरकार के खिलाफनारेबाजी करते हुए गांधी रोड स्थित द्रोण चौराहे पर पहुंचे जहां पर पुतले को आग के हवाले कर दिया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की जन विरोधी नीतियों की वजह से अभी तक प्रदेश में किसान आत्महत्या कर रहे थे लेकिन अब व्यापारी वर्ग भी आत्महत्या करने पर मजबूर हो गया है।दल ने चिंता जाहिर की कि अगर राष्ट्रीय दलों को प्रदेश से उखाड़ा ना गया तो आने वाला समय बेरोजगार युवाओं तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए संकट भरा हो सकता है। उनका कहना है कि बीजेपी कार्यालय में नोटबंदी व जीएसटी की व्यापार विरोधी खामियों के कारण जहर खाने वाले प्रकाश पांडेय की मृत्यु हो गई । एक और जिंदगी केंद्र एवं राज्य सरकार की गलत नीतियों की भेंट चढ़ गयी। आखिर प्रकाश पांडे अपनी जंग हार गये, लेकिन यह हार प्रकाश की नहीं है, यह हार उन मजबूर लोगों की है जो नोटबंदी और जीएसटी के कारण अपने जीवन यापन के लिए संघर्ष कर रहे है। वक्ताओं का कहना है कि उत्तराखंड क्रांति दल दिवंगत प्रकाश पांडे को श्रद्धांजलि अर्पित करता है और भगवान से प्रार्थना करता है कि उनके आश्रित व उनके परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति दे। उनका कहना है कि साथ ही दल मांग करता है कि पीड़ित परिवार के मुखिया को सरकारी नौकरी व परिवार के भरण पोषण हेतु 5००००० रुपए प्रदान किए जाएं। उनका कहना है कि उत्तराखंड क्रांति दल पूर्व से ही भाजपा कार्यालय में जनता दरबार लगाने का विरोधी रहा है क्योंकि दल को अंदेशा था कि भारतीय जनता पार्टी अपनी सस्ती और घटिया राजनीति चमकाकर जनता की वाहवाही तो लूटना चाहते हैं मगर जन समस्याओं से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। श्री प्रकाश पांडे कई महीनों से जनता दरबार में चक्कर लगा रहे थे लेकिन भाजपा के मंत्री जनता दरबार में बैठकर केवल औपचारिकता पूरी कर रहे थे। राजनीति का सबसे घिनौना रूप शायद ही किसी प्रदेश में देखा होगा कि जहर खाकर आत्महत्या करने वाले की पीड़ा को समझने के बजाए दोनों ही राष्ट्रीय दल उसके कांग्रेसी होने या गैर कांग्रेसी होने पर बहस करते दिखाई दिए।

वक्ताओं ने कहा कि प्रकाश पांडे के जहर खाने की जानकारी होने के बाद भी भाजपा कार्यालय में मौजूद भाजपा नेताओं ने मामले के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाई तथा प्रकाश पांडे को काफी समय तक अकेले ही बाहर बिठाए रखा। साथ ही प्रदेश सरकार के चिकित्सा व्यवस्था के दावों की कलई इस बात से खुल जाती है कि शहर के बीचोबीच जहर खाए हुए व्यक्ति को प्रदेश के सबसे बड़े राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया तथा उसके बाद देहरादून के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया किंतु दोनों ही अस्पताल प्रकाश पांडे का जीवन नहीं बचा पाए। यह जांच का विषय है कि सुबोध उनियाल द्वारा जनता दरबार में दिवंगत प्रकाश पांडे से ऐसी कौन सी कष्टप्रद बातें कही जिसकी वजह से प्रकाश पांडे को आत्महत्या का सहारा लेना पड़ा। उत्तराखंड क्रांति दल चाहता है कि जनता के सामने यह बात आनी चाहिए की तीन दिन तक जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करते प्रकाश पांडे के मृत्यु से पूर्व मजिस्ट्रेट बयान लिए गए अथवा नहीं का भी संज्ञान लिया जाना चाहिए। इस अवसर पर पुतला दहन करने वालों में संरक्षक बीडी रतूड़ी, महानगर अध्यक्ष संजय क्षेत्री, लताफ्त हुसैन, सुनील ध्यानी ,शांति प्रसाद भट्ट ,बहादुर सिंह रावत, देवेंद्र चमोली, प्रमिला रावत, दीपक कौशिक, समीर मुखर्जी, अनिल डोभाल, गौरव उनियाल, विजय क्षेत्री, ललित घिल्डियाल, ललित कुमार, सचिन कुमार आदि शामिल थे।

हाईकोर्ट ने दिया सरकार को झटका, सीमा विस्तार पर मांगा जवाब

16 फरवरी मुकम्मल हुई तारिख, उसके बाद होगा निर्णय

● नगर निगमों, नगरपालिकाओ और नगर पंचायतो के सरकार द्वारा किये जा रहे सीमा विस्तार मामले में दायर याचिका पर कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब ● सीमा विस्तार के विरोध पर कांग्रेस पहले से उतर चुकी है सड़कों पर

नैनीताल। प्रदेश में जहां एक ओर नगर निकायें चुनावों के लिये प्रत्याशियों ने अपने बैनर पोस्टर सड़कों पर चस्पा कर अपने आपकों भावी प्रत्याशी घोषित कर पूरा खाका तैयार किया है और बेहद ही बड़े बड़े दावे किये जा रहे है तो वहीं दूसरी ओर जिस तेजी से नगर पालिकाओं, नगर निगमों, नगर पंचायतों की सीमा विस्तार का कार्य बेहद ही तेजी से चल रहा है आज उसी के पर एक याचिका पर सुनवाई करते हुये हाईकोर्ट ने सरकार को झटका देते हुये सरकार से 16 फरवरी को इस पूरे मामले पर जवाब मांगा है तथा उसके बाद ही कोई निर्णय होगा कि क्या जो सीमा विस्तार की जा रही है वो सही है, क्या वो मानको के रूप ही हो रही है? जहां एक ओर सरकार सीमा विस्तार का लेखा जोखा तैयार किये हुये है तो वहीं दूसरी ओर इसका विरोध भी किसी से छिपा नहीं है, जिस तरह से नेता प्रतिपक्ष से लेकर कांग्रेस नेताओं ने सड़कों पर उतर इसका विरोध किया और सरकार पर सवालों की बौछार कर डाली थी। अब हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुये इस पर सरकार से जवाब मांगा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की आवाम से लेकर नेताओं की निगाहें भी 16फरवरी पर टिक गई है कि सरकार क्या जवाब पेश करती है और जो वो कहती है तो क्या कोर्ट पर क्या एक्शन लेती है ? यहां कई सवाल लोगों के मन में गोते लगा रहे है, क्या ये सीमा विस्तार वैसे ही होगा जैसे सुना जा रहा था या सरकार को इस पर कोई फेर बदल करना पड़ सकता है ? क्या सीमा विस्तार होगा भी या नहीं ? जो पूरा लेखा जोखा तैयार किया गया है क्या वो मानको के रूप से है ? इन सारे सवालों के जवाब तो अब आने वाले माह की 16 तारिख को ही पता चल सकेंगे कि आखिर कोर्ट आगे क्या करता है। लेकिन एक बार तो अब जो सपने सीमा विस्तार के नेताओं ने देख अपने आकड़ो का गणित लगाया था वो गणित अब कहां तक सही होगा ये अब देखने वाली बात होगी। जिस बुलन्द आवाज के साथ कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने इस सीमा विस्तार के खिलाफ हुंकार भी थी और भाजपा के दामन पर जमकर आरोपों के बाण चला उसको दागदार करने का कार्य किया था, अब ये भी देखना दिलचस्प होगा कि वो कहां तक सफल हुई है और जो वो आरोप लगा रही थी उनमें कितनी सच्चाई थी ?

सालावाला निवासियों का नगर निगम में प्रदर्शन

नगर संवाददाता

देहरादून। सालावाला विकास समिति ने सालावाला क्षेत्र की जन समस्याओं के समाधान को लेकर नगर निगम में प्रदर्शन करते हुए मेयर विनोद चमोली को ज्ञापन सौंपा और कहा कि शीघ्र ही समस्याओं का समाधान न होने पर आंदोलन को तेज किया जायेगा। यहां समिति के अध्यक्ष संजय कुण्डलिया व सामाजिक र्यकर्ता उदयवीर सिंह पंवार के नेतृत्व में क्षेत्रवासी नगर निगम में इकटठा हुए और वहां पर समस्याओं के समाधान के लिए प्रदर्शन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहहा कि तल्ला सालावाला मजार से जाने वाली सडके के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों मं जन सुविधाओं का अभाव है। उनका कहना है कि घर घर से कूडा उठाने की व्यवस्था न होने के कारण लोग नाले में कूडा डाल देते है यहां तक मरे हुए जानवर तक भी उसमें डाले गये है।

वक्ताओं का कहना है कि यहां कूडा उठाने वाली गाडी संकरी गली होने के कारण नहीं आ पाती है इसलिए रिक्शें की व्यवस्था की जाये। सुरक्षा के दृष्टिकोण से नाले के दोनों ओर जाल लगाये जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। वक्ताओं का कहना है कि यहां पर आवारा कुत्तों से निजात दिलाये जाने की आवश्यकता है और निगम को इसके लिए ठोस कार्यवाही करने की जरूरत हे। उनका कहना है कि पथ प्रकार की व्यवस्था न होने के कारण दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। सडकों की खराब हालत है और यहां पर सडकों की मरम्मत किये जाने की जरूरत है। इस अवसर पर अनेक क्षेत्रवासी मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर शास्त्री का स्मरण

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण स्मरण किया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने कहा कि शास्त्री को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी की हम उनके आर्दशों पर चलकर देश और प्रदेश की सेवा करेगी।

इस अवसर पर समिति के महासचिव आरिफहुसैन वारसी ने कहा कि शास्त्री को सच्ची श्रद्धाजलि यही होगी की हम उनके जीवन से प्रेरणा ले की किस प्रकार से एक किसान का बेटा देश का प्रधानमंत्री बना। इस अवसर पर अरविन्द गुप्ता, प्रवीन शर्मा, अरूण खरबंदा, प्रभात डंडरियाल, राजकुमार बतरा, आरिफ हुसैन वारसी, प्रदीप कुकरेती, राम सिंह प्रधान आदि मौजूद थे।

कमला मिल्स आग: वन अबव पब का मालिक अभिजीत गिरफ्तार

मुम्बई। 29 दिसंबर को कमला मिल्स में हुए अग्निकांड के सिलसिले में 'वन एबव' पब के मालिकों- कृपेश सांघवी और जिगर सांघवी को बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। जबकि अभिजीत मंकार फरार हो गया था। जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एस जयकुमार ने बताया कि इस घटना के बाद से फरार चल रहे सांघवी बंधुओं को यहां अंधेरी इलाके में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 'वन एवब' पब के मालिकों- सांघवी बंधुओं ओर अभिजीत मंकार को कथित रुप से शरण देने को लेकर एक होटल मालिक विशाल करिया को मंगलवार को गिरफ्तार किया था।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
गुरुवार, 11 जनवरी 2018

प्रकाश पांडे की मौत के मामले में एक्सपर्ट से अध्ययन कराये सरकार

हरीश रावत सरकार राजकोष खाली कर गई बहाना आखिर कब तक चलेगा

नगर संवाददाता

देहरादून। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा है कि ट्रांसपोर्ट व्यवसायी प्रकाश पांडे ने जहर खाने से पूर्व बयान दिया कि नोटबन्दी व जीएसटी के कारण मेरा कारोबार चौपट हो गया, प्रकाश पांडे द्वारा जल्दबाजी नहीं बल्कि सोच समझकर आत्महत्या करने का निर्णय लिया गया। उत्तराखंड में निम्न मध्यम वर्ग पर नोटबन्दी व जीएसटी का बुरा प्रभाव पड़ा है। उनका कहना है कि प्रकाश पांडे की मौत पर एक्सपर्ट से अध्ययन कराये जाने की आवश्यकता है और सरकार को इस मामले में सोचना होगा। यहां राजीव भवन कांग्रेस भवन में पत्रकारों से रूबरू होते हुए हरीश रावत ने कहा है कि सत्ताधारी दल व विपक्ष को भी विचार करना चाहिए कि नोटबन्दी व जीएसटी से मध्यम वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ रहा है व वह किस प्रकार जीएसटी के प्रभाव का सामना कर रहा है।जीएसटी पर आए व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों के सुझावों को सरकार द्वारा समझना चाहिए। जीएसटी से बेरोजगारी ओर भी बढ़ेगी। उनका कहना है कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनते ही भाजपा द्वारा कहा गया कि हरीश रावत सरकार राजकोष खाली छोड़ गयी लेकिन अब सरकार बने एक साल होने वाला है अब यह राजकोष खाली होने की बात कब तक करते रहेंगे। उनका कहना है कि खजाना इस कारण खाली है उनमें खनन में 40 प्रतिशत की गिरावट आयी है, अवैध शराब बिक्री के कारण सरकार शराब से राजस्व प्राप्त नहीं हो पा रहा है, राज्य सरकार अपने संसाधनों से राजस्व वसूली नही कर पा रही है, उनका कहना है कि अगर यही हाल रहा तो उत्तराखंड 2-3 साल पीछे चला जायेगा।

उनका कहना है कि परिसम्पतियों के बंटवारे के मामले में राज्य सरकार एक भी कदम आगे नही बढ़ पा रही है। उनका कहना है कि अखिलेश सरकार के समय जो करार हुआ था उस पर एक कदम भी सरकार आगे काम नहीं कर पाई है और रोड़वेज बसों को संचालित करने से कोई लाभ नहीं होने वाला है और रोडवेज की संपत्तियों का क्या हुआ सरकार जवाब दें। उनका कहना है कि यूपी और उत्तराखण्ड के बीच परिवहन करार के मामले में भी सरकार जनता को भ्रमित कर रही है। उनका कहना है कि मदरसे भी मंदिर की तरह है वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फोटो लगाना ठीक नहीं है और भाजपा सरकारें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य कर रही है तथा अनावश्यक विवाद खड़ा कर रही है। उनका कहना है कि राज्य में जब वैट लागू था उस वक्त राज्य की आमदनी अधिक थी, जीएसटी लागू होने के बाद 50 प्रतिशत कारोबार कम हुआ है, उसकी भरपाई करना बड़ा सवाल है। उनका कहना है कि शराब में भी कमी है जिन क्षेत्रों में अधिक बिक्री होती थी वहां सरकार चंडीगढ़ का ब्रांड बिकवाया जा रहा है। उनका कहना है कि जब केन्द्र सरकार में लोकपाल नियुक्त नहीं कर पाई तो प्रदेश की त्रिवेन्द्र सरकार कैसे लोकायुक्त नियुक्त कर सकती है। इस अवसर पर कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

रेरा कानून में बदलाव किये जाने की जरूरत

नगर संवाददाता

देहरादून। दून रियल एस्टेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रणवीर सिंह चौधरी ने कहा है कि केन्द्र सरकार ने रेरा कानून (रियल एस्टेट रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी) एक्ट 2016 के कारोबारियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है और इस कानून में व्यापक स्तर पर बदलाव किये जाने की आवश्यकता है।

यहां परेड ग्राउंड स्थित उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्रकारों से रूबरू होते हुए उनका कहना है कि रेरा में एजेंट व कंपनियों के पंजीकरण शुल्क को घटाया जाये, ताकि लाखों लोग जो इस व्यवसाय में लगे हैं, सुविधा पूर्वक अपना पंजीकरण करवा सकें, इससे सरकार के राजस्व में भी कई गुना बढ़ोतरी होगी। उनका कहना है कि कई वर्षों पुरानी प्लाटिंग जिसमे 20-30 प्रतिशत प्लॉट्स की अभी रजिस्ट्रियां होनी बाकि हैं, उनको रेरा पंजीकरण से मुक्त रखा जाये अथवा एक वर्ष की समय सीमा रजिस्ट्री के लिए दिया जाये, जिस प्रकार सरकार ने नोटबन्दी व जीएसटी लागु करते वक्त दिया था। और जैसा कि कई अन्य राज्यों ने भी किया है।

उनका कहना है कि छोटे कारोबारियों के हितों को भी ध्यान में रखते हुए एक एकड़ तक की भूमि में लेआउट पास करवाने की शर्तों में बदलाव किया जाए, छोटे भूखण्ड पर भी नक्शा पास करवाया जा सके, इससे भी सरकार का राजस्व बढेगा और जिन बड़े बिल्डरों ने विकास प्राधिकरण से अपने प्रोजेक्ट का नक्शा पास कराया हुआ है और रेरा में भी प्रोजेक्ट को पंजीकृत कराया है, उस प्रोजेक्ट की भूमि के दस्तावेजों के सत्यापन की जिम्मेदारी किसी एजेंट की क्यों, इसे एजेंट की जिम्मेदारी से मुक्त रखा जाये। उनका कहना है कि एक ओर नोटबंदी की वजह से पहले ही कारोबार मंदा है, उस पर रेरा के नियम कानूनों ने इस व्यवसाय की कमर ही तोड़ कर रख दी है। तमाम छोटे भूमि कारोबारी अवसाद का शिकार होते जा रहे है, ऊपर से सरकार भी छोटे कारोबारियों की चिंता को अन्देखा कर रही है, और जो भी सुविधाएँ देने की सोच रही है। उनका कहना है कि इस व्यवसाय से जुड़े लोगों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। उनका कहना है कि ऐसा न हो कि एक और प्रकाश पाण्डे प्रकरण किसी छोटे भूमि कारोबारी के द्वारा अख्तियार किया जाए। इस पर गंभीरता के साथ सरकार तत्काल निर्णय ले ताकि किसी अनहोनी की संभावना न रह जाए।

उनका कहना है कि केंद्र सरकार के द्वारा जो कानून लागु किया गया, उसमे राज्य सरकारों को भी अधिकार दिए गए थे, कि मूल कानून में छेड़छाड़ किये बिना, प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप रेरा में उपनियम जोड़े या घटाए जा सकते हैं, किन्तु उत्तराखंड सरकार ने बिना गहन अध्ययन किए एक्ट को प्रदेश में लागू कर दिया।

उनका कहना है कि राज्य की मूल जरूरतों को अनदेखा करते हुए जो कुछ जोड़ा वह केवल राज्य सरकार के राजस्व को बढ़ाने के लिए जोड़ा, जहां देश के अन्य राज्यों ने एजेंट व फर्मों के लिए रेरा पंजीकरण शुल्क क्रमशः दस हजार रुपये व पचास हजार रुपय रखा है, वहीँ इस गरीब प्रदेश की सरकार ने उसको क्रमशः पच्चीस हजार रुपय व दो लाख पचास हजार रुपये कर दिया, जो की सर्वथा गलत है। उनका कहना है कि इस मामले में शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक, विधायक व मेयर विनोद चमोली एवं एमडीडीए सचिव से भी मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपें गये है। इस अवसर पर एसोसिएशन के सचिव केवल सिंह पुंडीर, बिजेंद्र सिंह रावत, कुंवर दिप सिंह, जगपाल सिंह रावत, कुलदीप सिंह, ईश्वर नागर आदि मौजूद थे।

डीएम कार्यालय पर आंगनवाडी कर्मियों का प्रदर्शन

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तरांचल आँगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने अखिल भारतीय कर्मचारी संघ के आहवान पर अपनी मांगों के समाधान के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को आपने मानदेय ओर सभी समस्याओं के संबन्ध मे ज्ञापन प्रेषित किया गया और कहा कि शीघ्र ही समस्याओं का समाधान न होने पर जनांदोलन किया जायेगा।

यहां उत्तरांचल आँगनबाड़ी कर्मचारी संघ से जुडे हुए आंगनवाडी कर्मी सुशीला खत्री के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय में इकटठा हुई और मानदेय में बढोत्तरी सहित अनेक मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के द्वारा पूरे देश में वर्ष 1975 से आंगनवाडी केन्द्रों के माध्यम से समेकित बाल विकास योजना का संचालन हो रहा है जिसमें लाखों की संख्या में आंगनवाडी कर्मी कार्यरत है और इस योजना को सफलीभूत कर रही है उनका कहना है कि शून्य से छह वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के पोषण एवं प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल, अनौपचारिक शिक्षा के साथ पूरक आहार उपलब्ध कराने, शिशु एवं स्तनपान तथा गर्भवती माताओं को कुपोषण से बचाने के लिए जरूरी पुष्टाहार, विटामिन, प्रोटी उपलब्ध कराने का कार्य केन्द्र सरकार की इस स्कीम के तहत आंगनवाडी कर्मियों के द्वारा किया जा रहा है।

उनका कहना है कि इसके अलावा राज्य शासन के द्वारा बीएलओ, आर्थिक जनगणना, पल्स पोलियो, फाईलेरिया, राशन कार्ड सत्यापन, ओडीएफ आदि कार्य आंगनवाडी कर्मियों से संपन्न कराये जाते है और इसके बाद भी पर्याप्त मानदेय नहीं मिल पा रहो है। उनका कहना है कि आंगनवाडी कर्मियों को अब तक न तो सरकारी कर्मचारी घोषित किया न ही न्यूनतम वेतन निर्धारित किया गया। उनका कहना है कि सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, पीएफ ईएसआईसी सहित अन्य सुविधायें आज तक लागू नहीं हो पाई है जो चिंता का विषय है। इस अवसर पर अनेक आंगनवाडी कर्मी मौजूद थे।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक राजेश शर्मा द्वारा इंटर ग्राफिक प्रिंटर्स, 64-नेशविला रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित, 142 श्रीदेव सुमन नगर बल्लूपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक : राजेश शर्मा मो.- 9897598151, **प्रबंध सम्पादक :** अभिषेक शाही मो.- 9897865003 कानूनी सलाहकार: प्रकाश टी पाल **E-mail ID:** crimestory.dial100@gmail.com नोट: समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन ही होंगे।